

हरित ऊर्जा से बिजली की बढ़ती मांग पूरी कर रहा यूपी

लखनऊ, विशेष संवाददाता। बीते तीन वर्षों से उत्तर प्रदेश देश में बिजली की सबसे ज्यादा अधिकतम मांग पूरी करने वाला राज्य है। न केवल अधिकतम मांग बल्कि मांग में साल दर साल इजाफा दर्ज किया जा रहा है। ऐसे में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए राज्य सरकार हरित ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से काम कर रही है। दो हजार मेगावॉट से ज्यादा की सोलर परियोजनाएं लगाई जा चुकी हैं, जबकि सोलर रूफटॉप पैनल से 1.5 गीगावॉट उत्पादन क्षमता विकसित की जा चुकी है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रदेश में लोगों को 1,48,287 मिलियन यूनिट बिजली की आपूर्ति की गई। इस साल इसके 1.75 लाख मिलियन यूनिट तक पहुंचने का अनुमान है। लिहाजा न केवल परंपरागत ऊर्जा स्रोत बढ़ाए जा रहे हैं बल्कि गैर परंपरागत ऊर्जा स्रोतों की तरफ भी सरकार आगे बढ़ रही है। हालिया आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश के



02 हजार मेगावॉट क्षमता की सोलर परियोजनाएं चल रही हैं उत्तर प्रदेश में

■ सोलर रूफटॉप पैनल से बिजली उत्पादन की क्षमता पहुंची 1.5 गीगावॉट

6600 से ज्यादा सोलर पंप लगे

सरकार सिंचाई के लिए सोलर पंप को बढ़ावा दे रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 में कुल 6616 सोलर पंप पीएम-कुसुम सी-1 के तहत लगाए गए हैं। ये सभी पंप ऑन ग्रिड हैं यानी, इनसे उत्पादन होने वाली सौर ऊर्जा सीधे ग्रिड पर जा रही है। वहीं, पंप में इस्तेमाल होने वाली परंपरागत बिजली की खपत में भी कमी आई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस योजना के तहत आगरा, फिरोजाबाद, हाथरस, कन्नौज और शामली में एक भी सोलर पंप नहीं लगे हैं।

सभी 75 जिलों में सोलर परियोजनाएं चल रही हैं। इनकी कुल बिजली उत्पादन क्षमता तकरीबन दो हजार मेगावॉट है। वहीं, सोलर रूफटॉप उपभोक्ताओं की संख्या में भी इजाफा दर्ज किया जा रहा है। बस्ती, भदोही, शामली, सीतापुर, कासगंज और लखीमपुर

खीरी समेत जिन जिलों में सोलर रूफटॉप की संख्या न के बराबर थी, वहां भी अब बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। यूपी में 4.40 लाख से ज्यादा सोलर रूफटॉप पैनल लग चुके हैं, जिनकी उत्पादन क्षमता 1.5 गीगावॉट है।

27 सीबीजी प्लांट भी लगे बीते पांच साल में

बीते पांच साल में 27 कंप्रेसड बायो गैस (सीबीजी) प्लांट लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त सात प्लांट बायो कोल और सात ही प्लांट बायो डीजल के हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इनसे कुल 867.63 किलोलीटर प्रतिदिन ऊर्जा का उत्पादन हो रहा है।

इस साल 33 हजार मेगावॉट अधिकतम मांग

इस साल गर्मी के रुख को देखते हुए बिजली की अधिकतम मांग 33 हजार मेगावॉट से ज्यादा हो सकती है। अतिरिक्त बिजली खरीद के लिए पावर कॉरपोरेशन ने छोटे करार किए हैं। इसके अलावा गैर परंपरागत क्षेत्र से ऊर्जा उत्पादन को और बढ़ावा देने की ओर भी कदम उठाए जा रहे हैं।